विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में दिया परिपक्व राजनेता का संदेश

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राज्यपाल के अभिभाषण पर जबाव देते हुए जिस तरह से अपनी सरकार का विजन बताया है उससे साफ हो गया है कि सरकार तुष्टीकरण से नहीं अपितु कानून कायदों के अनुसार चलाई जाएगी। अपने आप को किसान पुत्र बताते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल ने सामाजिक सुरक्षा पर बल दिया है। चार बड़ी घोषणाओं में पीएम सम्मान निधि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन व गेहूं की सरकारी खरीद पर बोनस देने और पाक विस्थापितों के लिए अलग से योजना लाने की बात कही है। राज्यपाल के अभिभाष्ण पर सधा हुआ, एक मंजे हुए राजनेता जैसे तेवर के साथ दो घंटे 8 मिनट के जबाव में भजन लाल शर्मा ने यह संदेश दे दिया कि उन्हें कमतर नहीं आंका जाए। अपनी घोषणाओं में उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि योजना में अब किसानों को 6 हजार के स्थान पर 8 हजार रु. सालाना मिलने, किसानों से गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद पर राज्य सरकार की और से 125 रु. प्रति क्विंटल बोनस देने और सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1000 के स्थान पर 1150 रु. करने की घोषणा कर वित्तीय संकट के बावजूद राज्य सरकार की किसानों, गरीबों के प्रति चिंता और प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा अभिभाषण का जबाव देने के दौरान एक परिपक्व राजनेता जैसे तेवर दिखाते हुए पूर्व सरकार को तीखे शब्दों में कानून व्यवस्था, महिला अत्याचार, पेपरलीक सहित सभी बिन्दुओं पर आईना भी दिखाते नजर आयें।

विपक्ष की तो छोडों सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मुख्यमंत्री भजन लाल के सदन में इस तरह सधा हुआ और विपक्ष पर तीखे तेवर दिखाते संबोधन की कल्पना नहीं की थी। पर जिस तरह से मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में तेवर दिखाये हैं वह सरकार की इच्छा शक्ति और एजेंडा को भी दर्शाता है। यह भी साफ हो गया है कि राज्य सरकार अपने चुनावी कमिटमेंट पर गंभीर है और क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढा दिये हैं। उन्होंने एक अनुभवी राजनेता की तरह पूर्व सरकार पर एक पर एक निशाने साधे और कठघरें में खडा करने में सफल रहे। उन्होंने भ्रष्टाचार पर जीरों टालरेंस का संदेश साफ साफ दे दिया, वहीं दबाव की राजनीति के स्थान पर कानून कायदों से सरकार संचालन का स्पष्ट संदेश दे दिया। साफ है सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है यह दर्शा दिया गया है। सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी की गॉरंटियों पर क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढाना शुरु कर दिया है। सरकार के आने वाले लेखानुदान प्रस्तावों में भी गॉरटियों पर अमल की झलक दिखाई दे जाएगी। विपक्ष के परची की सरकार का जिस तरीके से सदन में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जबाव दिया है उससे विपक्ष को भी अब समझ लेना होगा कि वे जितना आसान समझ रहे थे वैसा सदन में होने वाला नहीं हैं।

सही मायने में विश्लेषण किया जाये तो पहली बार विधायक बनने और फिर सीधे मुख्यमंत्री के गरिमामय पद को संभाल कर जिस तरह की परिपक्वता का परिचय विधान सभा के पहले ही सत्र और उसमें भी राज्यपाल के अभिभाषण का जबाव देते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विपक्ष की एक-एक बात का उत्तर दिया है, सरकार के एजेंडा को रखा है उससे यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री आने वाले समय में प्रशासन की कसावट से लेकर जनहितकारी एजेंडा को मूर्त रुप देने में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं करेंगे।

एक बात और साफ कर दी है कि पूर्व सरकार के जो मुद्दे खासतौर से प्रदेश में अपराधियों के बढते हौसले, रेप की घटनाएं, परीक्षाओं के पेपर लीक, चयन संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल और भ्रष्टाचार की खुली छूट पर लगाम कस कर ही रहेंगे। जिस तरह से 15 जनवरी से 31 जनवरी तक प्रदेश में खनन माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाया गया है यह इसका उदाहरण है। एसएमएस अस्पताल का दौरा, पुलिस थानें का देर रात औचक निरीक्षण, कार्यालयों में समय की पालना और जनता की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर सुनकर समाधान करने और भ्रष्टाचार के जीरो टोलरेंस का संदेश प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से अभिभाषण में देखा जा सकता है। ऐसे में मुख्यमंत्री को कमजोर समझना सबकी बडी भूल होगी यह समझ लेना होगा।

सही मायने में विश्लेषण किया जाये तो पहली बार विधायक बनने और फिर सीधे मुख्यमंत्री के गरिमामय पद को संभाल कर जिस तरह की परिपक्वता का परिचय विधान सभा के पहले ही सत्र और उसमें भी राज्यपाल के अभिभाषण का जबाव देते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विपक्ष की एक-एक बात का उत्तर दिया है, सरकार के एजेंडा को रखा है उससे यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री आने वाले समय में प्रशासन की कसावट से लेकर जनहितकारी एजेंडा को मूर्त रुप देने में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह भी साफ हो गया है कि प्रशासन को खासतौर से नीचले स्तर तक के प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। आमलोगों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए राजधानी का रुख करना स्थानीय स्तर पर प्रशासन की संवेदनहीतना का परिचायक है इसलिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रशासन के नीचले से नीचले पायदान को भी आमजन के प्रति संवेदनशील रहते हुए जन समस्याओं के समाधान का संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विधान सभा में राज्यपाल के अभिभाषण का जबाव देकर अपनी प्राथमिकता और परिपक्वता सिद्ध कर दी है। ऐसे में अब प्रशासनिक अमले की जिम्मेदारी भी बढ गई है कि वह संवेदनशीलता के साथ अपनी भूमिका को निभाएं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

देश में पर्यटन उद्योग की बदलती तस्वीर और भारत की सांस्कृतिक सुरभी

राजेन्द्र मोहन शर्मा

हजारों विसंगतियों और असहमतियों के बावजूद देश बदल रहा है आपको यह स्वीकार करना ही होगा। देश की उन्नति और विकास का आधार केवल तेज आर्थिक धार है। यह आर्थिक रफ्तार गति पकड़ रही है। इस रफ्तार को देखने के लिए आपको देश की पर्यटन उद्योग की बदलती सुनहरी तस्वीर पर निगाहें टिकानी होंगी। यह काम इतनी सरलता से नही हुआ है। देश में पर्यटन के अनन्त स्थल हैं और असिमित सम्भावनाएं पहले से ही मौजूद रही हैं। लेकिन इससे पहले किसी भी सरकार ने इसका इस तरह से इसका दौहन नही किया था सो परिणाम भी अपेक्षित नही थे। आज तीर्थस्थलों, धार्मिक स्थलों से लेकर ऐतिहासिक किलों, भवनों सहित ठामीण, चिकित्सा, डेस्टिनेशन मैरिज सहित कोई ऐसा क्षेत्र अछूता नही है जहाँ पर्यटन उद्योग ने दस्तक न दी हो। हमारे देश में अनन्त काल से कहा जाता है कि शिक्षा, समझ और चेतना जगाने का सर्वोत्तम उपाय भ्रमण है। हमारे साधु-सन्त तो अनवरत भ्रमण पर ही रहते आए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत ही कुशलता से इस अनन्त सम्भावनाओं के क्षेत्र का दोहन कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। आपको यह चमत्कार दो घटनाओं से समझ आ जाएगा।

मालदीव को भारत से पंगा लेना के बाद 8.6 करोड़ का नुकसान रोजाना रेवेन्यु का तगड़ा नुकसान हो रहा है। पिछले साल यानी 2023 में बड़ी संख्या में भारतीय मालदीप में घूमने गए थे। पिछले साल सिर्फ मालदीव में भारतीयों ने 38 करोड़ डॉलर करीब 3,152 करोड़ रुपये खर्च किए थे। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी अपने देश मे पर्यटक स्थलों को प्रमोट करने के लिए अपने अंदाज में काम करते हैं। इसी सिलसिले में मोदी ने लक्ष्यद्वीप को चुना और वहाँ की सैर की। इसका सीधा संकेत देशी-विदेशी पर्यटकों को यह था कि मानदीव से बेहतर हैं यहां के द्वीप। बस यहीं मानदीव के नेताओं को मिर्ची लग गई। मालदीव के मंत्रियों ने पीएम मोदी के लक्षद्वीप दौरे पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी इसके बाद से दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास आई है। भारत के लोग अब मालदीव पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं और बायकॉट मालदीव की बात कह रहे हैं। भारत के साथ विवाद के बाद मालदीव को काफी नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। इधर भारत में यकायक लक्ष्यद्वीप हाट डेस्टिनेशन बन कर उभरा है और सैलानियों की भीड़ उमड़ पड़ी है।

दूसरा ताजा तरीन उदाहरण जयपुर में फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ मोदीजी का सड़कों पर सैर करना। वैसे तो जयपुर पर्यटकों का पहले से ही प्रिय डेस्टिनेशन है। दिल्ली आने वाला हर तीसरा विदेशी पर्यटक यहां जयपुर जरूर आता है। लेकिन मोदीजी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मंक्रो को जिस अंदाज में जयपुर की सैर कराई उसने अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर जयपुर को लाईम लाइट में ला खड़ा किया। पर्यटन उद्योग के लोग और ट्यूरिस्ट गाइड बता रहे हैं इस यात्रा के बाद जयपुर के पर्यटन को पंख लग गये हैं। मुगलों ने जो भवन बनवाए उनमें लाल पत्थर का उपयोग किया जबकि राजा जय सिंह ने पूरे नगर को गुलाबी रंग से पुतवाया। जिसके कारण जयपुर को गुलाबी नगर कहा जाता है। जयपुर को यदि पास से देखना हो तो पूरे नगर को पैरों से नापना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, मोदी जी ने यही किया। जयपुर में आने के बाद पता चलता है, कि आप किसी रजवाडे में प्रवेश कर गये हैं, शाही साफ़ा बांधे जयपुर के बना और लंहगा-चुन्री से सजी जयपुर की महिलाएं, गपशप मारते जयपुर के वृद्ध लोग, राजस्थानी भाषा में कितनी प्यारी बोलियां, पधारो म्हारे देश जैसा स्वागत और बैठो सा, जीमो सा, जैसी मीठी बातें।

आने वाले तीन से चार वर्षों में देश की सकल घरेलु जीडीपी का नौ से दस फिसद हिस्सा पर्यटन से जैनरेट होगा जो वर्तमान में साढे छः फीसद के आसपास है। 14 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार प्रदान करने के साथ ही देश के नए क्षेत्रों को उजागर करेगा। तथ्यात्मक दृष्टि से देखें तो भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है, जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोज़गार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56.2 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। लक्ष्य है अगले तीन वर्षों में विदेशी पर्यटकों की संख्या दो करोड़ होगी और घरेलू पर्यटक 120 करोड़। पूरी दुनिया में सबसे तेजी से उभरते पर्यटन गंतव्यों में से एक, भारत का यात्रा और पर्यटन क्षेत्र, भरोसेमंद विकास के साथ अवसर प्रदान करता है। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के बाद, अब यह क्षेत्र बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तैयार है। पर्यटन क्षेत्र को एक मिशन के तौर पर विकसित करने के लिए ही भारत के बजट 2023 में विभिन्न पहल और योजनाओं की रूपरेखा पेश किया गया था।

प्रधानमंत्री ने भारत के विकास को गति देने में पर्यटन क्षेत्र के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा है कि यह क्षेत्र जीडीपी और रोजगार सृजन दोनों में योगदान देता है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन, पर्यटन क्षेत्र में मौजूद अपार संभावनाओं का प्रमाण है। उद्योग जगत के हितधारकों और सरकार के बीच सामूहिक रणनीति पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि इस क्षेत्र के लिए अब तक के सबसे उज्ज्वल भविष्य का निर्माण किया जा सके और यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था तथा पूरे समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम हो सके। पर्यटन को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग का उदाहरण काशी विश्वनाथ धाम मंदिर है जहां आगंतुकों की संख्या, पिछले साल के औसत 80 लाख से बढ़कर 7 करोड़ हो गयी है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के आसपास नव विकसित स्थल को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, एक वर्ष की अवधि में 27 लाख लोगों ने देखा। प्रधानमंत्री ने काशी, केदारनाथ, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और पावागढ़ जैसे स्थानों का उदाहरण दे कर कहा कि कैसे एकीकृत दृष्टिकोण के साथ सरकार के विभिन्न विभागों के एक साथ आने से इन स्थानों पर आने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के आव्हान और 'देखो अपना देश' की पहल ने घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दिया, जिससे आतिथ्य-सत्कार क्षेत्र की कंपनियों को सभी क्षेत्रों में आपूर्ति बढ़ाने का अवसर मिला- व्यवसाय, विलासितापूर्ण संपत्तियों, होम स्टे, विला आदि से लेकर बजट होटलों तक। पर्यटन-स्थलों के विकास से आने वाले वर्षों में न केवल स्थितियां बेहतर होंगी, बल्कि भारत में पर्यटन क्रांति की भी शुरुआत माना जा रहा है।

पर्यटन एक सामाजिक-आर्थिक गतिविधि है और विकास के लिए एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण है, जो सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों के साथ पर्यावरण आधारित उचित प्रबंधन को संतुलित करता है। पर्यटन नीति में प्रमुख विषयों में शामिल हैं- स्थानीय संस्कृति का लाभ उठाना, विरासत को संरक्षित करना, कल्याण और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना तथा सभी प्रकार के नीति निर्माण में सतत विकास को ध्यान में रखते हुए जमीनी स्तर पर जीवन स्तर में सुधार करना। भारत में पर्यटन क्षेत्र को प्रौद्योगिकी का लाभ मिले अत: इसे बढ़ावा देने वाले विषयों की सूची में एक महत्वपूर्ण विषय है इस क्षेत्र में चल रही डिजिटलीकरण और नवाचार की प्रक्रिया। डिजिटल तकनीक, ए.आर./वी.आर. और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस); यात्रा और पर्यटन उद्योग में क्रांति लाने के लिए तैयार हैं। यात्रा-अनुभव, पहले से कहीं अधिक व्यक्ति-केन्द्रित, बहु-आयामी और आपसी संवाद आधारित हो रहा है। ए.आर. और वी.आर. यात्रियों को उनकी यात्रा से पहले ही गंतव्य-स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं, प्रसिद्ध स्थानों, ऐतिहासिक स्थलों और सांस्कृतिक अनुभवों के वर्चुअल पर्यटन की सुविधा दे सकते हैं और पर्यटन स्थल के चुनाव के बारे में सहायता कर सकते हैं। ए.आई.-संचालित चैटबॉट और डिजिटल सहायक, यात्रियों को उनकी यात्रा-योजना बनाने में मदद कर सकते हैं, व्यक्तिगत गतिविधियों की सिफारिश कर सकते हैं और यात्रा के दौरान वास्तविक समय पर सहायता प्रदान कर सकते हैं। उभरती हुई तकनीकें भी, इस क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन, इसके स्थायित्व और अति-पर्यटन के खतरों की निगरानी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। 'पर्यटन कारोबार में आसानी' दृष्टिकोण को अब यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य-सत्कार क्षेत्र में भी शुरू करने की आवश्यकता है। भारत की अपार पर्यटन क्षमता के उपयोग के लिए एक व्यापक रणनीति की आवश्यकता है, जो योजना, स्थान, लोग, नीति, प्रक्रिया और प्रचार के छह प्रमुख स्तंभों को शामिल कर काम करना जरूरी है। संवैधानिक रूप से, पर्यटन एक राज्य-सूची का विषय है और केंद्रीय पर्यटन विभाग इसे समवर्ती-सूची में स्थानांतरित करने के लिए जोर दे रहा है, ताकि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर नीति निर्माण की अनुमति मिल सके। उदाहरण के लिए, कुछ भारतीय राज्यों ने पहले ही पर्यटन को उद्योग का दर्जा प्रदान कर दिया है, जो दशकों से इस क्षेत्र की प्रमुख मांग रही है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने से इस क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी। राष्ट्रीय पर्यटन बोर्ड का गठन, सरकार के पास विचाराधीन है। सही नीतियों और उचित पहल के साथ भारत को विश्व स्तर पर शीर्ष तीन यात्रा और पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने की दिशा में हम काफी आगे बढ चुके हैं और नतीजे भी सामने आने लगे हैं। हां यह अवश्य ध्यान रखना होगा कि देश का सामाजिक स्वरूप ऐसा बना रहे जिससे विदेशी पर्यटक हमारे देश की नकारात्मक छवि लेकर न जाए इस हेतु सद्भाव, सेवा, आतिथ्य, सुरक्षा ,सफाई सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर हमें हमेशा सावधान रहना होगा। साथ ही पर्यटकों के आने से स्थानीय नागरिकों को परेशानी न हो यह भी ध्यान देना आवश्यक है। जयपुर में इन दिनों देशी विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ के चलते यातायात पर जो भारी दबाव आया है इस पर विशेष तैयारी की आवश्यकता है।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद् और चिन्तक

''विश्व वेटलैण्ड-डे'' पर पक्षियों की अठखेलियां देखी

बांसवाड़ा, (निसं)। ''विश्व वेटलेण्ड-डे'' पर वागड पर्यावरण संस्थान की टीम ने शहर तथा आसपास के वेटलेण्ड का अवलोकन, बर्ड वॉचिंग एवं दूरबीन की सहायता से पक्षियों की अठखेलियों को करीब से देखा। वागड पर्यावरण संस्थान अध्यक्ष डॉ. दीपक द्विवेदी ने बताया कि संस्थान की टीम ने कागदी पिक अप, डायलाब, ठीकरिया, लोधा, कूपडा के वेटलेण्ड का अवलोकन किया।

अवलोकन के दौरान टीम के सदस्यों यश सराफ, कपिल पुरोहित, वैभव जोशी, विराट संघवी ने पाया कि वेटलेण्ड्स की स्थितियां बिगड़ती जा रही है ज्यादातर स्थानों पर जलकुंभी व गन्दगी ने पैर पसार रखे हैं। उन्होंने बताया कि वेटलेण्ड हमारी प्राकृतिक सम्पदा और तरल सम्पति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वेटलेण्ड में जैविक विविधता और व्यापक श्रृंखला उन्हें जैविक सुधार मार्केट बनाता है इसलिये इनका संरक्षण आवश्यक है। संस्थान प्रवक्ता कपिल पुरोहित ने बताया कि इस अवसर पर बर्ड वाचिंग के दौरान प्रवासी पक्षियों गेडवाल, कॉमन कूट, नोर्दन शॉवलर, यूरेशियन विजन, कॉमन पोचार्ड, सेण्ड पाइपर, व्हिस्कर्ड टर्न के साथ स्थानीय पक्षियों में आइब्रिज, हेरन, इग्रेट प्रजाति, ब्लेक विंग्ड स्टील्ट, लिटल कॉरमोरेन्ट, डार्टर आदि परिन्दों की गतिविधियों को नजदीक से देखा।

जलाशयों की वागड पर्यावरण संस्थान के प्रतिनिधियों ने सफाई की।

- **वागड पर्यावरण संस्थान की टीम ने कागदी पिक अप, डायलाब, ठीकरिया, लोधा, कूपडा के वेटलेण्ड का अवलोकन किया**

गाजर के भावों में गिरावट, किसान चिंतित

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के साधुवाली गांव की जमीन में उपजने वाली गाजर का लाल सुर्ख रंग और मिठास का कोई सानी नहीं है। बाजार में राजस्थान के मथानिया और कोटपुतली और पंजाब के सुल्तानपुर तथा हरियाणा के बेहबलपुर और हिसार की गाजर को पछाड़कर साधुवाली की गाजर ने सुदूर प्रांतों में अलग पहचान बनाई है। इस बार साधुवाली गाजर का रंग और मिठास गुणवत्ता की दृष्टि से अच्छी है। इस बार पछेती गाजर का बंपर उत्पादन होने से भाव लुढ़क गए है। इन दिनों साधुवाली की गाजर मंडी में महज 3 से 5 रुपए प्रति किलो भाव है जबकि पिछले वर्ष फरवरी माह में 10 से 13 रुपए प्रति किलो तक गाजर बिक रही थी। गाजर के भावों में गिरावट से किसानों की चिंता बढ़ गई है।

छबड़ा-गुगोर सड़क की हालत खस्ता, वाहन चालक व राहगीर परेशान

छबड़ा से गुगोर होकर राजस्थान को मध्यप्रदेश से जोड़ने वाली सड़क की स्थिति खस्ता हो चुकी है

छबड़ा (निसं)। गड्डों में सड़क या सड़क में गड्ढे, यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी, क्योंकि छबड़ा से गुगोर होकर राजस्थान को मध्यप्रदेश से जोड़ने वाली सड़क की स्थिति खस्ता हो चुकी है। एमपी सहित कई गांवों को मुख्यालय तक जोड़ने वाली इस सड़क की दुर्दशा पर वाहन चालक व राहगीर जिम्मेदार विभाग को कोसने लग गए हैं। वही एक सप्ताह बाद आयोजित होने वाले जिले के ख्यातनाम बीजासन माता मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन भी काफी कठिन होगा। हालांकि इस सड़क पर कुछ दिन पूर्व ही औपचारिकता पूर्वक पेचवर्क कर इतिश्री कर ली गई है।

छबड़ा से गुगोर सड़क धार्मिक और पर्यटन स्थल सहित समीपवर्ती राज्य मध्यप्रदेश को जोड़ती है। यह सड़क इन दिनों पूरी तरह से क्षतिग्रस्त व जर्जर हो चुकी हैं। गड्डों में तब्दील हो चुकी इस सड़क से श्रद्धालु, ग्रामीण, व्यापारी, किसान, विद्यार्थी, प्रसुताओं का सफर जोखिम से कम नहीं होता। कुछ समय पूर्व गुगोर के निकट पार्वती नदी पर 18 करोड़ की लागत से हाईलेवल ब्रिज बनकर तैयार हो चुका है। जिस पर आवागमन भी शुरू हो गया हैं। लेकिन इस ब्रिज से छबड़ा तक 7-8 किमी सड़क खराब होने का खामियाजा जनता को उठाना पड़ रहा है। छबड़ा व गुगोर के मध्य कडैयावन में स्वामी विवेकानंद माध्यमिक स्कूल में यहां के विद्यार्थी अध्ययनरत है, जिनको भी विद्यालय तक पहुंचने मे काफी समय लगता है।

वहीं वर्षा के समय में तो हालत काफी दयनीय होती हैं। 9 फरवरी से मेला शुरू, श्रद्धालुओं को होगी परेशानी :- गुगोर गांव में हर वर्ष प्रसिद्ध बीजासन माता मेला लगता है, जो इस बार 9 फरवरी से शुरू होने वाला है। यह मेला राजस्थान ही नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के असंख्य लोगों की आस्था का प्रतीक है। जिसमें अन्य राज्यों के दर्शनार्थी भी पहुंचते हैं। इसी के साथ ही, गुगोर में प्राचीन व ऐतिहासिक किला, कलात्मक छतरियां, जलप्रपात आदि धार्मिक व पर्यटन स्थल भी हैं। इस सड़क पर इन दिनो धूल के गुबार उड़ रहे हैं व गिट्टियां उखड़ गई हैं। इससे दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

2012 में 2.70 करोड़ से बनी थी सड़क:- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना भारत निर्माण के तहत साल 2010 में सड़क स्वीकृत हुई। 2.70 करोड़ से साल 2012 में 8 किमी सड़क का निर्माण हुआ। साल 2017 तक गारंटी पीरियड में रही। साल 2019-20 में 4 लाख, 2021-22 में 3.96 लाख और वर्ष 2022 के सितंबर में 5.74 लाख से पेचवर्क किया। वही अभी कुछ ही दिन पूर्व सड़क का पेचवर्क करवाकर इतिश्री कर ली गई हैं।

छबडा-गुगोर सड़क पूरी तरह गड्डों में तब्दील हो चुकी हैं।

- **नौ फरवरी से आयोजित होने वाले बीजासन माता मेले के श्रद्धालुओं का आवागमन भी कठिन होगा।**

मेले शुभारंभ से पूर्व हो समस्या का निराकरण:- गुगोर सरपंच राजेंद्रसिंह खारोल ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर नौ फरवरी से शुरू होने वाले मेले से पूर्व ही छबड़ा से गुगोर तक की क्षतिग्रस्त सड़क का डामरीकरण करवाए जाने की मांग की है, ताकि यहां दूर-दराज से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना न करना पड़े।

एमपी का मुख्य मार्ग:- छबडा-स्टेट हाइवे 51 से गुगोर तक क्षेत्र की मूंडला, कड़ैयावन, दिलोद व गुगोर को यह मार्ग जोड़ता है। इस मार्ग से कॉलेज विद्यार्थी, मरीज, किसान, व्यापारी आमजन पहुंचते हैं। वहीं, गुगोर के बाद मध्यप्रदेश सीमा शुरू हो जाती है। इस मार्ग से फतेहगढ़ सहित गुना जाने में आसानी होती है। कस्बे के लोग नाहरगढ़ सहित किशनगंजए शाहाबाद जाने के लिए भी इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। बारां होकर नाहरगढ़ 118 किमी है। जबकि गुगोर मार्ग से सिर्फ 54 किमी की दूरी है।

ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन अध्यक्ष किशन कालरा ने बताया कि छबडा में अ श्रेणी की मंडी होने के कारण मध्यप्रदेश के किसान अपना माल बेचने यहां आते हैं। माल बेचने के बाद किसान पैसों से यहीं से डीजल, खाद, बीज, किराना, कपड़ा, जेवर, मकान निर्माण सामग्री ले जाते हैं। सड़क का खस्ताहाल होने के कारण अब किसानो की संख्या में भी कमी आई हैं। सार्वजनिक निर्माण विभाग के एक्सईएन नरेंद्र सिंह ने बताया कि छबड़ा गुगोर सड़क नॉन पेचेबल सड़क है, जो सड़क 18 प्रतिशत पीएच होती है उसमें पेच वर्क नहीं करवाया जा सकता। उन्होंने बजट एनाउंसमेंट व सीआरएफ के तहत रोड निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाकर भेज रखे है। इस बार बजट में छबड़ा गुगोर सड़क के स्वीकृत होने की पूर्ण संभावना है। गुगोर मेले के प्रारंभ होने से एक-दो दिन पूर्व रोड़ पर ड्रेसिंग का कार्य करवा दिया जाएगा ताकि मेले में आने जाने वाले वाहनों व लोगों को परेशानी ना हो।

राशिफल शनिवार 3 फरवरी, 2024

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, विशाखा नक्षत्र रविवार प्रात: 7:21 तक, गंड योग दिन 12:51 तक, कौलव करण सांय 5:21 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:04 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-तुला, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-मेष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-कन्या राशि में।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:37 से 9:58 तक, चर 12:40 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 4:44 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:16, सूर्यास्त 6:05

मेष

परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कन्या

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। धार्मिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मीन

अपनी कार्य योजना को आज सीमित रखें। अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।